म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक उपयोग

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE10v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई अंग्रेज़ी भाषा सीखने के लिए पाठ्यपुस्तक को अतिरिक्त शिक्षण को विकसित करने के प्रारम्भिक साधन के रूप में करने उपयोग के बारे में है। पाठ्यपुस्तक आपके पाठों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इस इकाई में आपको यह बताया गया है कि आप किस तरह पाठ्यपुस्तक का उपयोग अलग अलग तरीकों से कर सकते हैं और इसमें दिए गए सुझावों के आधार पर अपने पाठों को ज्यादा रोचक बना सकते हैं और विद्यार्थियों के सीखने में सुधार कर सकते हैं।

अंग्रेज़ी सीखने के लिए आपके विद्यार्थियों को केवल भाषा के पाठ का पढ़ना नहीं वरन् बोलने और सुनने का अभ्यास आवश्यक है। सुनने और बोलने की अक्सर होने वाली संक्षिप्त गतिविधियाँ आपके अंग्रेज़ी भाषा के पाठों की अनुपूरक बन सकती हैं और कक्षा में अंग्रेज़ी का उपयोग करने में आपके खुद के आत्मविश्वास को भी बढ़ा सकती हैं।

जब आप पाठ्यपुस्तक के पाठों को अपने विद्यार्थियों के लिए अपनाते और बढ़ाते हैं, तो आप उन्हें कई अलग अलग उद्देश्यों के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। आप अंग्रेज़ी के प्रति अपना खुद का आत्मविश्वास और अध्यापन कौशल भी सुधार सकते हैं। इस इकाई की केस–स्टडी और गतिविधियाँ इस तरह तैयार की गई हैं, ताकि आपको अपनी कक्षा के लिए इन अवसरों की योजना बनाने में मदद मिले।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- मौखिक कार्य के लिए लचीले ढंग से अंग्रेज़ी की पाठ्यपुस्तक का उपयोग।
- नए अंग्रेज़ी शब्दों का परिचय।
- अंग्रेज़ी के पाठों का अपने विद्यार्थियों के जीवन से संबंध जोड़ना।

1 पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना

नियमित रूप से की जाने वाली संक्षिप्त गतिविधियों से आपको और आपके विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी का अभ्यास करने और अपना आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, जैसा कि पहले केस–स्टडी में दर्शाया गया है।

केस–स्टडी **1:** श्रीमती दीक्षित भाषा की आादत विकसित करने के लिए पाठ्यपुस्तक के पाठों का उपयोग करती हैं

श्रीमती दीक्षित *ने कक्षा तीन में बोलने, सुनने और शब्दावली को बढ़ाने के लिए अपनी भाषा की पाठ्यपुस्तक का उपयोग किया।*

इस पाठ्यपुस्तक की शुरुआत एक छोटे हाथी की कहानी से होती है, जिसे फल पसंद हैं और जो एक दुकान से अलग अलग तरह के फल लेता है। कहानी में, उसे *'please', 'thank you'* और *'sorry'* बोलना सिखाया गया है। ये शब्द कहानी में महत्वपूर्ण हैं। मैंने हर दिन की हमारी बातचीत के दौरान कक्षा में इन शब्दों का नियमित रूप से उपयोग शुरू किया। मैंने विद्यार्थियों को इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और मैंने खुद इन शब्दों का उपयोग करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया – भले ही मेरा उच्चारण पूरी तरह सटीक नहीं है।

इस पाठ्यपुस्तक में सप्ताह के दिनों के बारे में एक कविता भी है। मैंने कक्षा के लिए एक कैलेंडर खरीदकर उसे दीवार पर लगा दिया। मैंने एक कविता सिखाई और मैंने वर्ष के महीनों के नाम भी सिखाए जो कि पाठ में नहीं हैं। इसके बाद मैंने रोज़ की एक आदत शुरू की, जिसमें हर सुबह एक विद्यार्थी उठकर कक्षा की शुरुआत में दिन, तारीख और महीने की घोषणा करता है*: 'Good morning, class. Today is Monday, October the thirteenth, two thousand and fourteen.'*

अब हमारे पास कुछ अंग्रेज़ी दिनचर्या बन गई हैं। मेरे पास विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी का आकलन करने और अपने खुद की अंग्रेज़ी सुधारने के लिए ज्यादा अवसर हैं।

विचार कीजिए

- आपके अनुसार श्रीमति दीक्षित जब इस तरह पाठ्यपुस्तक के पाठों का विस्तार करती हैं, तो उन्हें क्या उन्हें अलग से योजना बनानी पड़ेगी?

- क्या श्रीमति दीक्षित की दिनचर्या कक्षा के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रभावी होगी, चाहे उनकी क्षमता का स्तर जो भी हो?क्यों या क्यों नहीं?
- आपके पास अंग्रेज़ी की ऐसी कौन-सी दिनचर्या हैं, जो भाषा की पाठ्यपुस्तक के पाठ से बाहर की हैं?
- आपके पास विद्यार्थियों द्वारा बोली जाने वाली अंग्रेज़ी के आंकलन के लिए ऐसे कौन-से अवसर हैं, जो भाषा की पाठ्यपुस्तक के पाठ से बाहर के हैं?

यदि आप अपने विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के लिए लगातार बहुत सारे अवसर देते हैं न केवल भाषा के पाठ में, बल्कि उनके विद्यालय दिन में अन्य समय पर भी, तो आपके पास उन्हें सुनने, अवलोकन करने और आंकलन करने के ज्यादा अवसर होंगे। यदि विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तक के पाठ से ही अंग्रेज़ी सुनते या लिखते हैं, तो उनकी प्रगति धीमी रहेगी और आपके पास उनका मूल्यांकन करने के अवसर कम रहेंगे। अगली गतिविधि में आप विद्यार्थियों के लिए अपनी भाषा की पाठ्यपुस्तक की संभावना का विस्तार करेंगे। आपके लिए यह आपकी स्वयं की अंग्रेज़ी का अभ्यास करने और इसे सुधारने का एक मौका भी है।

अंग्रेज़ी सीखने वाले विद्यार्थियों को सुनना, अवलोकन करना और उनका आकलन करना।

गतिविधि 1: पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना – एक नियोजन गतिविधि

आप अपनी अंग्रेज़ी की पाठ्यपुस्तक में जिस अगले पाठ या इकाई को सिखाने की योजना बना रहे हैं, उसे देखें। अपनी कॉपी में इन प्रश्नों के उत्तर लिखें:

- यह पाठ या इकाई किस बारे में है? इस विषय का आपके विद्यार्थियों के अनुभव से कितना संबंध है?
- उन मुख्य शब्दों और वाक्यों की एक सूची बनाएँ, जिन्हें विद्यार्थी इस पाठ से सीख सकते हैं।
- इस सूची के कौन-से शब्द आपके विद्यार्थियों को पहले से मालूम हैं?
- विद्यालयी दिन के दौरान आप किस-किस समय इन मुख्य शब्दों या वाक्यों का उपयोग कर सकते हैं?
- इन मुख्य शब्दों के उपयोग को बढ़ाने में आपको किन अतिरिक्त संसाधनों या गतिविधियों से मदद मिल सकती है?

अब अपनी सूची से एक या दो मुख्य शब्द या वाक्य चुनें। कक्षा में अपनी नियमित दिनचर्या में इन शब्दों या वाक्यों का उपयोग करें।

आपको कम से कम दो सप्ताहों तक इसका पालन और अभ्यास करना चाहिए। आपको यह कैसा लगता है? सरल या कठिन? विद्यार्थियों की प्रतिक्रया कैसी है? क्या अंग्रेज़ी के उनके उपयोग में सुधार हुआ है? आप किस तरह बता सकते हैं?

अपने सभी विद्यार्थियों को भाग लेने और सीखने के लिए प्रेरित करने हेतु संसाधन *1, ' सोचने की प्रक्रिया* को प्रोत्साहित करने के लिए प्रश्न पूछने का उपयोग करना' देखें।

2 चित्र और शब्द

केस–स्टडी *1* में, श्रीमति दीक्षित ने अपनी पाठ्यपुस्तक का अधिकाधिक लाभ उठाने के तरीके ढूँढे, इसके लिए उन्होंने ऐसे कुछ शब्द या वाक्य चुने, जिनका उपयोग वे और उनके विद्यार्थी भाषा का पाठ पूरा होने के बाद भी जारी रख सकते थे। अगले केस–स्टडी में, एक शिक्षक विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी बोलने और शब्दावली को विकसित करने के लिए चित्रों का उपयोग करके पाठ्यपुस्तक के एक विषय में सुधार करते हैं।

केस स्टडी **2:** श्री अमन भाषा को विकसित करने के लिए चित्रों का उपयोग करते हैं

श्री अमन ने कक्षा चार के विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी सिखाने के लिए उनके परिवार के बारे में मौजूदा ज्ञान का उपयोग किया।

पाठ्यपुस्तक में इकाई *1* एक बच्ची और उसके परिवार के बारे में है। मैंने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक में 'परिवार से सम्बंधित' शब्द और चित्र दिखाए। हमने वे शब्द ऊँची आवाज़ में बोले और मैंने उन्हें बोर्ड पर लिखा।

इसके बाद मैंने उनसे उनके पिता, माता, दादा, दादी अदि के चित्र बनाने और उन चित्रों पर अंग्रेज़ी में नाम लिखने को कहा। वे मुझसे प्रश्न पूछने लगे जैसे*:*

- 'क्या अंग्रेज़ी में दादी और नानी के लिए अलग अलग नाम नहीं हैं?'
- 'क्या बड़ी बहन और छोटी बहन के लिए एक ही शब्द का उपयोग किया जाता है?'

मैंने उन्हें *'elder sister'* और *'younger sister',* तथा *'mother's mother'* और *'father's mother',* बोलना सिखाया, हालांकि ये अभिव्यक्तियाँ पाठ्यपुस्तक में नहीं हैं। इसके बाद मैंने विद्यार्थियों के चित्रों का उदाहरणों के रूप में उपयोग करके उन्हें बताया कि मौखिक रूप से वाक्य कैसे बनाए जाते हैं*:*

This is my mother. This is my elder sister.
This is Rajiv's father.
This is Amrita's grandmother, her mother's mother.

हमने साथ मिलकर ऊँची आवाज़ में इन वाक्यों को बोलने का अभ्यास किया। यह मेरी अपनी अंग्रेज़ी के लिए भी अच्छा अभ्यास करने जैसा था।

बाद में उस सप्ताह, मैंने पाठ का विस्तार किया। पहले मैंने विद्यार्थियों से पाठ्यपुस्तक में 'पुल्लिंग' (*he*) और 'स्त्रीलिंग' (*she*) शब्दों पर गोल निशान लगाने को कहा। इसके बाद मैंने उनके चित्रों का उपयोग करके ऊंची आवाज़ में उन्हें बताया कि नई शब्दावली का उपयोग करके किस प्रकार उनके पहले वाक्य जोड़े जाएँ*:*

This is my mother. She is pretty.
This is my elder sister. She is tall.
This is my brother. He is crying.
This is Amrita's grandmother. She is nice.
This is Sushant's father. He is a farmer.

मैंने विद्यार्थियों की जोड़ियाँ बनाईं और उन्हें एक-दूसरे के साथ वाक्यों का अभ्यास करने को कहा, जिसके लिए मैंने उनके शब्दों का प्रदर्शन करने के लिए उनके चित्र दिखाए। जब वे ऐसा कर रहे थे, तो मैं उनके आत्मविश्वास और कौशल का अवलोकन कर सकता था और टिप्पणियाँ लिख सकता था।

मेरे कुछ विद्यार्थी स्थानीय अनाथालय से आते हैं और उनका कोई परिवार नहीं है। मैंने उनसे उनके दोस्तों या गाँव में वे जिन दूसरे लोगों को जानते हैं, उनके चित्र बनाने को कहा। मैंने यह काम बहुत ध्यान से किया, ताकि वे खुद को दूसरों से अलग न महसूस करें, और अनावश्यक रूप से खुद के प्रति शर्मिंदगी महसूस न करें। आत्मविश्वास की कमी वाले विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए, मैंने उनके चित्रों की ओर इशारा करके *'Is this your father? Is this your sister? Is this your friend? Is this the farmer?'* पूछा और उन्होंने उत्तर में *'yes'* या *'no'* कहा,या सिर्फ अपना सिर हिलाया, जिससे मैं उनकी समझ का आंकलन कर सकता था।

विचार कीजिए

- श्री अमन के वर्णन को देखकर, आपके अनुसार उनकी गतिविधियों के लिए कितने पाठ लगे होंगे?
- उनकी पाठ योजना टिप्पणी के रूप में लिखने की कोशिश करें।

वीडियो: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

गतिविधि 2: चित्रों का उपयोग करना

एक उदारहण के रूप में, केस–स्टडी 2 का उपयोग करके एक पाठ की योजना बनाएँ और पढ़ाएँ जहाँ विद्यार्थी अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के लिए चित्रों का उपयोग करते हैं।

अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के लिए चित्रों का उपयोग करना।

पाठ्यपुस्तक का एक पाठ लें। यह पाठ परिवार, जानवरों, भोजन, यात्रा या पर्यावरण के बारे में हो सकता है। यह कोई पहले पढ़ाया जा चुका पाठ या कोई नया पाठ हो सकता है। आप इसे कई पाठों के दौरान पढ़ा सकते हैं।

- विद्यार्थियों को चित्र दिखाकर और साथ ही शब्दावली का अभ्यास करते हुए विषय समझाएँ।
- विद्यार्थियों को खुद चित्र बनाने और उन चित्रों पर अंग्रेज़ी में नाम लिखने को कहें।
- उन्हें उनके चित्रों के आधार पर अंग्रेज़ी में सरल वाक्यों का उपयोग करना सिखाएँ।

आप विद्यार्थियों का आंकलन कैसे करेंगे? जब वे काम करते हैं, क्या तब आप उन्हें सुनेंगे? या आप उनसे कहेंगे कि वे अपने कार्य के बारे में आपको समझाएँ या पूरी कक्षा को बताएँ?

जिन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता की ज़रुरत है, उनके लिए आप क्या करेंगे? कुछ विद्यार्थियों को काम पूरे करने के लिए अतिरिक्त समय की या बोलने में संकोच को दूर करने के लिए मदद की ज़रूरत हो सकती है। आपकी योजना इन ज़रूरतों को शामिल करने के लिए लचीली

होनी चाहिए। यदि आपकी कक्षा ज़्यादा विद्यार्थियों वाली या अनेक-ग्रेड वाली कक्षा है तो सक्षम या बड़े विद्यार्थियों को छोटे विद्यार्थियों की मदद करने को कहें। समूहों को व्यवस्थित करें ताकि आप उन विद्यार्थियों पर ध्यान दे सकें, जिन्हें आपकी मदद की ज़रुरत है।

वीडियो: समूह में कार्य का उपयोग करना

केस–स्टडी *2* में श्री अमन ने पाठ्यपुस्तक में सुधार किया। अगले केस–स्टडी में शिक्षिका ने अपने विद्यार्थियों के साथ अंग्रेज़ी के नए शब्दों के उपयोग के लिए भी सुधार किया है।

केस–स्टडी **3:** श्रीमति करूणा और उनके विद्यार्थी नए शब्दों का उपयोग करते हैं

आपके विद्यार्थी किन अंग्रेज़ी शब्दों को पहले से जानते हैं और आप उन्हें कौन-से अंग्रेज़ी शब्द सिखाना चाहते हैं? कक्षा तीन की छात्रा श्रीमति करूणा *ने इसका पता लगाया।*

मैं *'A Busy Road'* के बारे में पाठ्यपुस्तक का एक पाठ पढ़ा रही थी। इस विषय की शब्दावली को बोर्ड पर लिखने से पहले मैंने विद्यार्थियों से उन अंग्रेज़ी शब्दों के बारे में पूछा जो उन्हें पहले से मालूम थे। वे मुझे *'traffic', 'traffic police', 'policeman', 'cars', 'bicycle', 'traffic jam', 'rush'* और *'zebra crossing'.* जैसे शब्द बता रहे थे।

फिर एक विद्यार्थी ने कहा 'शोर' और मुझसे पूछा कि मैडम अंग्रेज़ी में "शोर' क्या होता है? मैंने कक्षा की शब्दावली में एक नया अंग्रेज़ी शब्द जोड़ा: *'noise'*। मैंने अंग्रेज़ी में इस नए शब्द को मज़बूत बनाने के लिए विद्यालय में अलग अलग समय पर और अलग अलग तरीके से इसका उपयोग करने की कोशिश की। उदाहरण के लिए, मैं कहती थी:

- 'Can you hear the noise from the street?'
- 'What a lot of noise!'
- 'You are very noisy!'

और मैंने इसके विपरीतार्थ शब्द का उपयोग करने की भी कोशिश की, उदाहरण के लिए:

- 'When you are quiet, you can go outside.'

विचार कीजिए

- श्रीमति करूणा ने पाठ की शुरुआत उन अंग्रेज़ी शब्दों के साथ की, जो उनके विद्यार्थियों को पहले से ही मालूम थे। आपके अनुसार उन्होंने इस तरह शुरुआत क्यों की?
- उन्होंने एक विद्यार्थी के प्रश्न सुनने का समय दिया। क्या आपको लगता है कि यह उनके समय का अच्छा उपयोग था?
- उन्होंने कक्षा में हर दिन की बातचीत के दौरान नए अंग्रेज़ी शब्द ('noise') का उपयोग करने की कोशिश की, और उन्होंने विलोम शब्द ('quiet'). के उपयोग की कोशिश भी की। क्या आप अंग्रेज़ी में ऐसे दो विलोम शब्दों के बारे में सोच सकते हैं, जिनका उपयोग आप प्रतिदिन 'शिक्षक बातचीत' में कर सकते हों?

3 पाठ्यपुस्तक के एक पाठ को आत्मसात करना

भाषा को सीखना तब ज्यादा प्रभावी और यादगार होता है जब विद्यार्थी उनके द्वार सीखी गई भाषा का उपयोग वास्तविक-जीवन की परिस्थितियों में कर सकें। अगली केस–स्टडी में, शिक्षक अंग्रेज़ी का अनुभव लेने और अभ्यास करने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए कक्षा के बाहर गईं।

केस–स्टडी **4:** श्रीमती सुशीला पाठ्यपुस्तक के पाठ को जीवन में उतारती हैं

श्रीमती सुशीला सीहोर के एक वंचित इलाके में शासकिय माध्यमिक विद्यालय में कक्षा छः को अंग्रेज़ी पढ़ाती हैं।

अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक में परिवहन के बारे में पाठ था। इसकी शुरुआत करते हुए मैंने विद्यार्थियों से उन वाहनों की सूची बनाने को कहा, जिनके नाम उन्हें अंग्रेज़ी में मालूम थे। यह काम करने में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। बोर्ड अलग अलग तरह के वाहनों के नामों से भर गया था, जिसमें कारों और मोटरसाइकिलों के ब्रांड नाम भी शामिल थे।

जल्दी ही मुझे पता चला कि सिर्फ दो विद्यार्थी ऐसे हैं जिन्होंने कभी बस में यात्रा नहीं की थी, और उनमें से किसी ने भी रेलगाडी में यात्रा नहीं की थी। मुझे लगा कि यह बहुत दुखद है क्योंकि रेलगाडी की पटरी विद्यालय की इमारत के ठीक सामने से जाती है और विद्यार्थी उसे हर दिन देखते हैं।

मैंने प्रधानाध्यापिका को प्रस्ताव दिया कि विद्यालय को विद्यार्थियों को एक बार रेलगाड़ी की सवारी करवानी चाहिए। प्रधानाध्यापिका ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी से इस यात्रा के लिए अनुमति और टिकट के लिए धन प्राप्त किया।

यात्रा से पहले वाले सप्ताह में, मैंने भाषा गतिविधियों की एक श्रृंखला के द्वारा विद्यार्थियों को तैयार किया:

- हिन्दी में और अंग्रेज़ी में द्विभाषी पर्चे पढ़कर, रेलगाडी में यात्रा करते समय 'dos and don'ts' सुनकर
- उन्हें कन्नड़ और अंग्रेज़ी में काउंटर पर टिकट माँगना सिखाकर
- उनसे अंग्रेज़ी में इस बात का अभ्यास करवाकर कि वे अपने सहयात्रियों से क्या कहेंगे, जैसे 'Good afternoon' और 'This is my class'।

एक अन्य शिक्षक के साथ मैंने *32* अत्यंत रोमांचित विद्यार्थियों को रेलगाडी की उनकी पहली यात्रा के लिए ले गई। आमतौर पर बहुत उधम करने वाले विद्यार्थी उस दिन सर्वश्रेष्ठ व्यवहार कर रहे थे। मैंने उन्हें अंग्रेज़ी पाठों में जो सिखाया था, उन्होंने उसका उपयोग करने की बहुत कोशिश की:

- टिकट काउंटर पर टिकट माँगने, और कीमत पूछने की
- ड्यूटी पर मौजूद टिकट विक्रेता और गार्ड को 'thank you' कहने की
- प्लैटफॉर्म पर लगे बोर्ड पढ़ने की
- स्टेशन पर हिन्दी और अंग्रेज़ी में होने वाली उदघोषणाओं को सुनने की
- 'Hello' और 'How are you कहने की?' अन्य यात्रियों से बात करते समय।

यात्रा एक घंटे से भी कम समय की थी, लेकिन यह एक यादगार अनुभव था।

मुझे लगा कि इस यात्रा की तैयारियों में जितनी मेहनत हमने की थी वह सफल रही और विद्यार्थियों ने मेरी उम्मीद से भी ज्यादा अंग्रेज़ी सीख ली। परिवहन के बारे में पाठ्यपुस्तक का पाठ अधिक प्रासंगिक बन गया।

इस यात्रा ने मेरा अंग्रेज़ी पढ़ाने का तरीका भी बदल दिया। अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से कोई भी पाठ पढ़ाने से पहले, मैं अब विद्यार्थियों को उस विषय की तैयारी करने के लिए कोई व्यक्तिगत अनुभव देती हूँ, जिसके द्वारा वे अंग्रेज़ी पढ़ने, बोलने और सुनने का अभ्यास कर सकें।

विचार कीजिए

- इस यात्रा में विद्यार्थियों ने अलग अलग उद्देश्यों के लिए अंग्रेज़ी सीखी। क्या आप उनमें से कुछ उद्देश्यों के नाम बता सकते हैं?
- यदि आप अपनी कक्षा को रेलगाडी स्टेशन पर नहीं ले जा सकते, तो आप अपनी कक्षा में ही इसी तरह की भाषा गतिविधियाँ किस प्रकार तैयार कर सकते हैं?

विशिष्ट उद्देश्यों के लिए भाषा का अभ्यास करने के लिए भूमिका अदा करना और नाटिका प्रभावी तरीके हैं। रेलगाडी के उदाहरण में, विद्यार्थी टिकट विक्रेताओं, कंडक्टरों, यात्रियों और दुकानदारों की भूमिकाएँ निभा सकते हैं। रेलगाडी के पोस्टर, उदघोषणाएँ, पर्चे और टिकट अंग्रेज़ी में बनाए जा सकते हैं। एक दिन के लिए कक्षा को रेलवे स्टेशन बनाया जा सकता है और विद्यार्थी पाठों के बीच काल्पनिक यात्राएँ कर सकते हैं और इन यात्राओं के दौरान अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकते हैं!

वीडियो: सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछने का उपयोग करना

गतिविधि 3: पाठ्यपुस्तक के एक पाठ को जीवन में उतारना – एक नियोजन गतिविधि
आप अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक की प्रत्येक इकाई में आपके विद्यार्थियों के लिए वास्तविक-जीवन के संबंध ढूँढ सकते हैं। उदाहरण के लिए, कक्षा चार में भाषा की पाठ्यपुस्तक की एक इकाई *'Going to Buy a Book'* के बारे में है। यह विषय तुरंत ही बहुत सारे प्रश्नों और संभावित गतिविधियों का संकेत देता है: • आप में से कौन किताबों की एक दुकान में या लाइब्रेरी में गया है? वहाँ आपने क्या देखा? • क्या आपको किताबों के अलावा अंग्रेज़ी में कोई अन्य पठन सामग्रियाँ मिलेंगी? • किसी किताबों की दुकान में या लाइब्रेरी में हमें कौन-से अंग्रेज़ी शब्द सुनने को मिलते हैं? • हम अंग्रेज़ी के कौन-से संकेत या लेबल पढ़ सकते हैं? • हम इन स्थानों में लोगों से किस प्रकार विनम्रता से बात करेंगे? • हम क्या प्रश्न पूछेंगे? • हमें क्या जानकारी प्राप्त होगी? • क्या हम अपनी कक्षा में एक लाइब्रेरी या किताबों की दुकान बना सकते हैं? • क्या हम किसी स्थानीय किताब दुकान या लाइब्रेरी से किसी को अपनी कक्षा से बात करने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं? अब अपनी भाषा की पाठ्यपुस्तक के अगले पाठ पर जाएँ। एक साथी शिक्षक के साथ मिलकर (यदि संभव हो तो), प्रश्नों और संभावित गतिविधियों के बारे में सोचें – भले ही आप वे गतिविधियाँ तुरंत न कर सकते हों। अपने विचारों की सूची बनाएँ। क्या आप साथ मिलकर इनमें से किसी विचार को आजमा सकते हैं? इसे सफल बनाने के लिए आपको क्या चाहिए होगा?

4 सारांश

आपकी पाठ्यपुस्तक भाषा गतिविधियों के लिए एक 'मैजिक बॉक्स' बन सकती है। पाठ्यपुस्तक एक उपयोगी मार्गदर्शिका और विचारों का स्त्रोत है, लेकिन एक शिक्षक के नाते आपको इसे आगे बढ़ाना होगा। पाठ्यपुस्तक का उपयोग एक संसाधन के रूप में और भाषा सीखने के साधन के रूप में करें, न कि इसे अपने आप में ही अंतिम लक्ष्य मानें। इस तरह आप अपने विद्यार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पाठ्यपुस्तक को अनुकूलित कर सकते हैं। बेशक, आप अपनी पसंद की किसी भी कहानी या कविता पर विद्यार्थियों द्वारा चुनी गई किसी कहानी या कविता पर, अथवा किसी स्थानीय जगह या स्थानीय ईवेंट पर आधारित कई तरह की गतिविधियाँ भी बना सकते हैं।

केवल कभी-कभार अंग्रेज़ी बोलने के बजाय बार-बार रिहर्सल और अभ्यास करने से आपको और आपके विद्यार्थियों को अपनी आवाज़ों को सुनने की आदत हो जाएगी। अंग्रेज़ी की रिहर्सल और अभ्यास करना आपको थोड़ा बचकाना लग सकता है, लेकिन ऐसा सोचने से रिहर्सल न करने का एक विषम चक्र तैयार हो सकता है क्योंकि आप इसे बचकाना समझकर छोड़ देते हैं और कभी सुधार नहीं कर पाते। हम उम्मीद करते हैं कि इस इकाई में सुझाई गई कुछ रचनात्मक गतिविधियों से आपको इस चक्र को तोड़ने में मदद मिलेगी।

इस विषय पर अन्य आरंभिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- कक्षा दिनचर्याएँ
- गीत, कविताएँ और शब्द खेल
- रचनात्मक कला में अंग्रेज़ी सीखना
- अंग्रेज़ी और विषय सामग्री एकीकरण
- अंग्रेज़ी के लिए सामुदायिक संसाधन।

संसाधन

संसाधन 1: हम पूछें, आप सोचें

शिक्षक हमेशा अपने विद्यार्थियों से सवाल पूछते रहते हैं; सवालों का अर्थ ये होता है कि शिक्षक सीखने और सीखते रहने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार औसतन, एक शिक्षक अपने समय का एक-तिहाई हिस्सा विद्यार्थियों से सवाल पूछने में खर्च करता है (हेस्टिंग्स, 2003)। पूछे गए प्रश्नों में से, 60 प्रतिशत में तथ्यों को दोहराया गया था और 20 प्रतिशत प्रक्रियात्मक थे (हैती, 2012), जिनमें से ज्यादातर के उत्तर सही या गलत में थे। लेकिन क्या सिर्फ सही या गलत में उत्तर वाले सवाल पूछने से सीखने को प्रोत्साहन मिलता है?

विद्यार्थियों से कई अलग अलग तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। शिक्षक किस तरह के उत्तर और परिणाम पाना चाहते हैं, उनसे पता चलता है कि शिक्षक को किस तरह के सवाल पूछने चाहिए। शिक्षक आमतौर पर विद्यार्थियों से सवाल पूछते हैं, ताकि वे:

- जब कोई नया विषय या सामग्री प्रस्तुत की जाती है, तो वे विद्यार्थियों को इसे समझने के लिए मार्गदर्शन कर सकें
- बेहतर ढंग से सोचने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकें
- कोई त्रुटि दूर कर सकें
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकें
- समझ को जाँच सकें।

प्रश्नों का उपयोग आमतौर पर यह देखने के लिए किया जाता है कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, इसलिए यह उनकी प्रगति का आंकलन करने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रश्नों का उपयोग प्रेरणा देने, विद्यार्थियों के सोचने के कौशल को बढ़ाने और जिज्ञासु मन विकसित करना में भी किया जा सकता है। उन्हें मोटे तौर पर दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है:

- निचले स्तर के प्रश्न, जिनसे कि तथ्यों का स्मरण और पहले सिखाया गया ज्ञान शामिल होता है, प्रायः बंद सिरे के प्रश्नों (closed questions) (हां या नहीं में उत्तर) से संबद्ध होते हैं।
- उच्च स्तर के प्रश्न, जिनके लिए ज्यादा सोचने की ज़रुरत होती है। उनके लिए विद्यार्थियों को पहले किसी उत्तर से सीखी गई जानकारी को एक साथ रखने या तार्किक रूप से किसी दलील का समर्थन करने की ज़रुरत पड़ सकती है। उच्च स्तर के प्रश्न प्रायः ज्यादा खुले सिरों वाल(openended) होते हैं।

खुले सवाल विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक के आगे सोचने को प्रोत्साहित करते हैं, इनसे विद्यार्थी एकाधिक उत्तरों पर विचार करते है। इनसे शिक्षकों को भी सामग्री के बारे में विद्यार्थी की समझ का आंकलन करने में मदद मिलती है।

विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना

कई शिक्षक एक सेकंड से भी कम समय में अपने प्रश्न का उत्तर चाहते हैं और इसलिए अक्सर वे खुद ही प्रश्न का उत्तर दे देते हैं या प्रश्न को दूसरी तरह से दोहराते हैं (हेस्टिंग्स, *2003*)। विद्यार्थियों को केवल प्रतिक्रिया देने का समय मिलता है – उनके पास सोचने का समय ही नहीं होता*!* अगर आप उत्तर चाहने से पहले कुछ सेकंड इंतजार करते हैं तो विद्यार्थी को सोचने के लिए समय मिल जाएगा। इसका विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रश्न को प्रस्तुत करने के बाद इंतजार करने से निम्नांकित में वृद्धि होती है*:*

- विद्यार्थियों के उत्तरों की लंबाई
- उत्तर देने वाले विद्यार्थियों की संख्या
- विद्यार्थियों के प्रश्नों की बारंबारता
- कम सक्षम विद्यार्थियों के पास से उत्तरों की संख्या
- विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक संवाद।

आपकी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है

आप दिए गए सभी उत्तरों को जितने सकारात्मक ढंग से स्वीकार करते हैं विद्यार्थी भी उतना ही ज्यादा सोचना और कोशिश करना जारी रखेंगे। यह सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं कि गलत उत्तरों और गलत धारणाओं को सुधार दिया जाए, और यदि एक विद्यार्थी के मन में कोई गलत विचार है तो आप निश्चित रूप से यह मान सकते हैं कि कई अन्य विद्यार्थियों के मन में भी वही गलत धारणा होगी। आप निम्नलिखित का प्रयास कर सकते हैं*:*

- उत्तरों के उन हिस्सों को चुन सकते हैं जो सही हैं और एक सहायक ढंग से विद्यार्थी से अपने उत्तर के बारे में थोड़ा और सोचने के लिए कह सकते हैं। यह ज्यादा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और आपके विद्यार्थियों की अपनी गल्तियों से सीखने में मदद करता है। आगे दी गई टिप्पणियाँ यह दर्शाती है कि आप ज्यादा मददगार ढंग से किस प्रकार से गलत उत्तर पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं: 'आप वाष्पीकरण से बनते बादलों के बारे में सही थे लेकिन मुझे लगता है कि हमें बारिश के बारे में आपने जो कहा है उस पर थोड़ा और पता लगाने की जरूरत है। क्या आपमें से कोई और इस बारे में कुछ बता सकता है?'
- विद्यार्थियों से मिलने वाले सभी उत्तर ब्लैकबोर्ड पर लिखें और विद्यार्थियों से पूछें कि वे इनके बारे में क्या सोचते हैं। उनके अनुसार कौन-से उत्तर सही हैं? कोई अन्य उत्तर देने का कारण क्या रहा होगा? इससे आपको यह समझने का एक मौक़ा मिलता है कि आपके विद्यार्थी किस तरीके से सोच रहे हैं और आपके विद्यार्थियों को भी एक मित्रवत तरीके से अपनी गलत धारणाओं को सुधारने का अवसर मिलता है।

सभी उत्तरों को ध्यान से सुनकर और आगे समझाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करके उन्हें महत्व दें। उत्तर चाहे सही हो या गलत, लेकिन यदि आप विद्यार्थियों से अपने उत्तरों को विस्तार में समझाने को कहते हैं तो अक्सर विद्यार्थी अपनी गलतियाँ खुद ही सुधार लेंगे, आप एक विचारशील कक्षा का विकास करेंगे और आपको वास्तव में पता चलेगा कि विद्यार्थी कितना सीख गए हैं और अब किस तरह आगे बढ़ना चाहिए। यदि गलत उत्तर देने पर अपमान या सज़ा मिलती है तो दोबारा शर्मिंदगी या डांट के डर से आपके विद्यार्थी कोशिश करना ही छोड़ देंगे।

उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना

यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रश्नों का एक ऐसा क्रम अपनाने की कोशिश करें, जो सही उत्तर पर ख़त्म न होता हो। सही उत्तरों के बदले फॉलो-अप प्रश्न पूछने चाहिए जो विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ता है और उन्हें शिक्षक के साथ संलग्न होने का मौका देते है। यह आप इसके लिए पूछकर कर सकते हैं*:*

- कैसे या *क्यों*
- उत्तर देने का अन्य कोई तरीका
- एक बेहतर शब्द
- किसी उत्तर को सही साबित करने के लिए प्रमाण
- संबंधित कौशल का एकीकरण
- उसी कौशल या तर्क का किसी नई स्थिति में अनुप्रयोग।

विद्यार्थियों की ज्यादा गहराई में जाकर सोचने में मदद करना और उनके उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना आपकी भूमिका का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। निम्नलिखित कौशल अधिक उपलब्धि हासिल करने में विद्यार्थियों की मदद करते हैं:

- प्रोत्साहन के लिए विद्यार्थियों को उचित संकेत देने की ज़रुरत पड़ती है – ऐसे संकेत जिनसे विद्यार्थियों को उनके प्रश्नों को विकसित करने और सुधार में मदद मिलती हो। उत्तर में सही क्या है, आप पहले इसे चुनकर इसके बाद जानकारी, आगे के प्रश्न तथा अन्य संकेत दे सकते हैं। ('तो अगर आप कागज के अपने हवाई जहाज के आखिर में वजन रखते हैं तो क्या होगा?')
- खोजपूर्ण प्रश्न अधिक जानकारी पाने की कोशिश करने, एक अव्यवस्थित उत्तर को या आंशिक रूप से सही उत्तर को सुधारने की कोशिश में विद्यार्थी जो कहना चाहते हैं, उसे स्पष्ट करने में उनकी मदद करने से संबंधित है। ('तो इस सबका जो अर्थ है उसके बारे में आप मुझे और क्या बता सकते हैं?')
- केन्द्रक सही उत्तरों के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान को उस ज्ञान से जोड़ने से संबंधित होता है, जो उन्होंने पहले सीखा है। यह उनकी समझदारी को विकसित करता है। ('आपकी बात सही है, लेकिन पिछले सप्ताह हमने अपने स्थानीय पर्यावरण विषय के बारे में जो पढ़ रहे थे, यह उससे किस प्रकार संबंधित है?')
- अनुक्रमण का अर्थ है ऐसे क्रम में प्रश्न पूछना, जिन्हें सोच का विस्तार करने हेतु बनाया गया है। प्रश्नों के द्वारा विद्यार्थियों को सारांश बनाने, तुलना करने, समझाने और विश्लेषण करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। ऐसे प्रश्न तैयार करें, जिनसे विद्यार्थियों को सोचने की प्रेरणा मिले, लेकिन उन्हें इतनी ज्यादा भी चुनौती न दें कि प्रश्न का अर्थ ही खो जाए। ('स्पष्ट करें कि आप अपनी पहले की समस्या से किस प्रकार उबरे। उससे क्या फर्क पड़ा? आपको क्या लगता है आगे आपको किस चीज का सामना करने की जरूरत पड़ेगी?')
- सुनने से आप न केवल अपेक्षित उत्तर पर गौर करने में समर्थ होते हैं, बल्कि इससे आप असाधारण या नवोन्मेषी उत्तरों के प्रति सतर्क भी होते हैं, जिसकी हो सकता है कि आपको अपेक्षा न रही हो। इससे यह भी दिखाई देता है कि आप विद्यार्थियों के विचारों को महत्व देते हैं और इसलिए इस बात की ज्यादा संभावना होती है कि वे सुविचारित उत्तर देंगे। इस तरह के उत्तर भ्रान्तियों को चिह्नांकित कर सकते हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत होती है अथवा वे एक नयी पहुंच दर्शा सकते हैं, जिन पर आपने विचार नहीं किया हो। ('मैंने इसके बारे में सोचा नहीं था। आप इस तरह से क्यों सोचते हैं इसके बारे में मुझे और जानकारी दें।')

एक शिक्षक के रूप में आपको ऐसे प्रश्न पूछने चाहिए जो प्रेरित करने वाले और चुनौतीपूर्ण हों, ताकि आप अपने विद्यार्थियों से रोचक और नवीन ज्ञान युक्त उत्तर पा सकें। आपको उन्हें सोचने का समय देना चाहिए और आप सचमुच यह देखकर चकित रह जाएंगे कि अआपके विद्यार्थी कितना कुछ जानते हैं और आप सीखने में उनकी प्रगति में कितनी अच्छी तरह मदद कर सकते हैं।

याद रखें कि प्रश्न यह जानने के लिए नहीं पूछे जाते कि शिक्षक क्या जानते हैं, बल्कि वे यह जानने के लिए पूछे जाते हैं कि विद्यार्थी क्या जानते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपको कभी भी अपने खुद के प्रश्नों का जवाब नहीं देना चाहिए! आखिरकार यदि विद्यार्थियों को यह पता ही हो कि वे आगे कुछ सेकंड तक चुप रहते हैं, तो आप खुद ही उत्तर दे देंगे, तो फिर उन्हें उत्तर देने का प्रोत्साहन कैसे मिलेगा?

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy.* Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online: Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire.* Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom.* Portsmouth: Heinemann.

Hastings, S. (2003) 'Questioning', TES Newspaper, 4 July. Available from: http://www.tes.co.uk/article.aspx?storycode=381755 (accessed 22 September 2014).

Hattie, J. (2012) *Visible Learning for Teachers: Maximising the Impact on Learning*. Abingdon: Routledge.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning.* Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition.* Oxford: Pergamon Press.

Mohan, B. (1986) *Language and Content.* Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity.* New York, NY: Longman.

Wells, G. (2003) 'Children talk their way into literacy', published as 'Los niños se alfabetizan hablando' in García, J.R. (ed.) *Enseñar a escribir sin prisas … pero con sentido*. Sevilla, Spain: Publicaciones MCEP. Available from: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf (accessed 8 July 2014).

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।